हिन्दी विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू, राजस्थान

राष्ट्रीय वेबिनार
विषय : छायावाद : एक पुनर्मूल्यांकन
प्रतिवेदन

दिनांक : 04.02.2022

हिन्दी विभाग, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान
उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू, राजस्थान

राष्ट्रीय वेबिनार
विषय : छायावाद : एक पुनर्मूल्यांकन

दिनांक : 04.02.2022

कार्यक्रम रूपरेखा :

क्रम सं.	कार्यक्रम विवरण	वक्ता	समय
1	सरस्वती वंदना	शिल्पा शर्मा, आईना जोशी व उर्मिला सुथार	01.30–01.40
2	स्वागत वक्तव्य व विषय प्रवेश	डॉ. कल्पना मौर्य	01.40–01.55
3	संस्था परिचय	डॉ. अविनाश पारीक	01.55–02.10
4	वक्तव्य	डॉ. गीता दूबे	02.10–02.30
5	वक्तव्य	श्रीमती पूनम संजू	02.30–02.45
6	वक्तव्य	डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह	02.45–03.10
7	आभार ज्ञापन एवं संयोजन	डॉ. विदुषी आमेटा	03.10–03.20

विवरण

दिनांक 04.02.2022 शुक्रवार, उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) सरदारशहर, चूरू के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के हिन्दी विभाग द्वारा 'छायावाद एक पुनर्मूल्यांकन' विषय पर विस्तार व्याख्यान आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को छायावाद का विस्तारित परिचय उपलब्ध कराने और समकालीन स्थितियों में छायावाद को समझने के उद्देश्य से उक्त आयोजन की रूपरेखा बनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। तृतीय वर्ष की विद्यार्थी शिल्पा शर्मा, आईना जोशी व उर्मिला सुथार ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात विभाग की अध्यक्षा डॉ. कल्पना मौर्य ने स्वागत वक्तव्य देते हुए विषय परिचय दिया। संकाय अधिष्ठाता डॉ. अविनाश पारीक ने संस्थान का परिचय दिया।

वेबिनार की प्रथम वक्ता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय विद्याविहार मुबंई के हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गीता दूबे ने छायावाद की प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस युग के समृद्ध रचनाकारों ने इसे वायवी कल्पना मात्र से मधुरिम कल्पना, रहस्यवाद और शैली विशेष की व्यापकता दी है। मोती में जैसे तरल सौन्दर्य विद्यमान है, वैसे ही छायावादी कविता में राष्ट्रप्रेम, प्रकृति सौन्दर्य चित्रण, पर्यावरण संरक्षण, मानवतावाद, नारी गरिमा की स्थापना, नाद सौन्दर्य, ध्वन्यात्मकता जैसी भावगत विशेषताओं, भाषिक व शिल्पगत विशेषताओं के कारण शिष्ट सौन्दर्य की सृष्टि करता है। दूसरी वक्ता छत्तीसगढ़ की पूनम संजू ने इस अवसर पर कहा कि छायावादी काव्य आत्माभिव्यक्ति की बात करता है, जो व्यक्ति मात्र की संवेदना का लेखा है।

मुख्य वक्ता वाराणसी के वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि भाषा और साहित्य के साथ निरन्तर नैतिकता के प्रश्न जुड़े रहते हैं। छायावाद इन नैतिक बंधनों को संवेदनात्मक स्तर पर ग्राह्य बनाता है। यह अनुभूत सत्यों के आत्मसाक्षात्कार का दर्शन है। उन्होंने छायावाद के रचनाकारों के जीवन व व्यक्तित्व से संबंधित विविध प्रसंग व संस्मरण साझा करते हुए बताया कि छायावादी कविता हिमालय शिखरों का वर्णन करती हुई भारत के गौरव की ओर उन्मुख करती है। यह मौन का विस्तार करती है, जो जप की सर्वोत्तम स्थिति है। यह आनंदवाद और विजयनी मानवता में अपना पर्यवसान करती है।

कार्यक्रम में शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. मनीषा वर्मा के साथ विभिन्न प्रांतो से डॉ. कंचन शर्मा, डॉ. ममता, डॉ. रेणुका, डॉ. सतीश कुमार ओझा, डॉ. शैयरी चौधरी, डॉ. अनीता गुप्ता, डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ. अवध कुमारी सिंह, डॉ. संजीव कुमार विश्वकर्मा, डॉ. गिरधर लाल शर्मा, डॉ. जितेन्द्र वशिष्ट, डॉ. रामचन्द्र स्वामी आदि सम्मिलित हुए। हिन्दी विभाग की सहआचार्य डॉ. विदुषी आमेटा ने संचालन करते हुए छायावादी कवियों के आध्यात्मिक दर्शन पर चर्चा की। वेबिनार में 25 प्रतिभागियों ने ऑनलाईन माध्यम से तथा 81 विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट प्रदर्शनी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

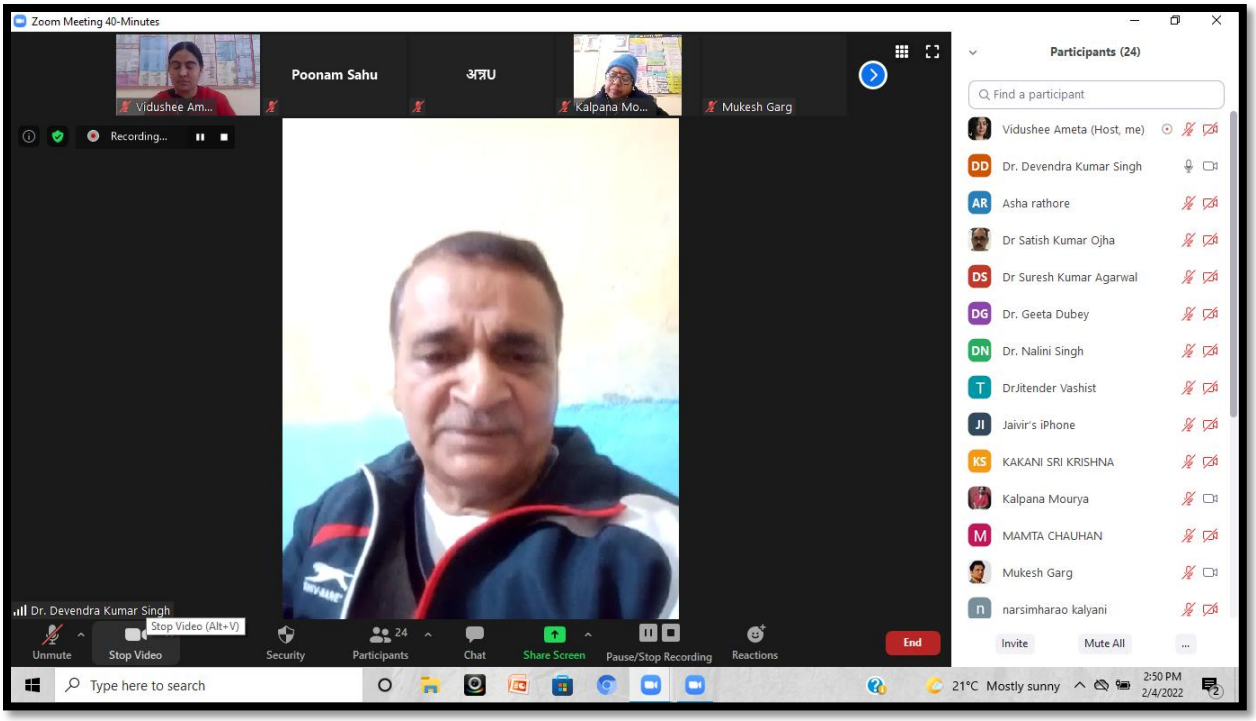
Zoom Meeting 40-Minutes
Poonam Sahu
अन्नU
Vidushee Am...
Kalpana Mo...
Mukesh Garg
Recording...
Participants (24)
Find a participant
Vidushee Ameta (Host, me)
Dr. Devendra Kumar Singh
Asha rathore
Dr Satish Kumar Ojha
Dr Suresh Kumar Agarwal
Dr. Geeta Dubey
Dr. Nalini Singh
DrJitender Vashist
Jaivir's iPhone
KAKANI SRI KRISHNA
Kalpana Mourya
MAMTA CHAUHAN
Mukesh Garg
narsimharao kalyani
Invite
Mute All
Dr. Devendra Kumar Singh
Stop Video (Alt+V)
Unmute
Stop Video
Security
Participants
Chat
Share Screen
Pause/Stop Recording
Reactions
End
Type here to search
21°C Mostly sunny
2:50 PM
2/4/2022

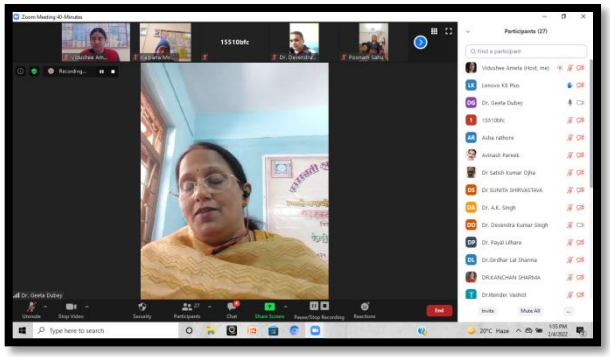

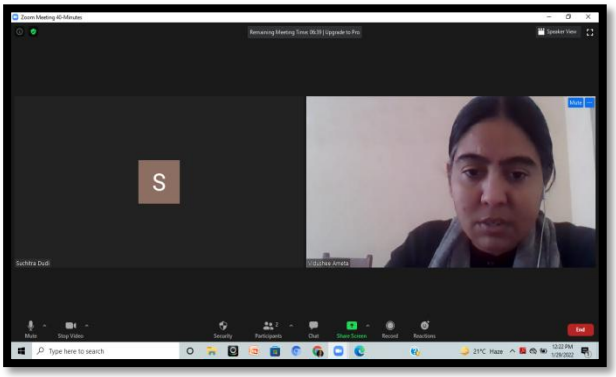
S

राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

वक्ता बोले: छायावाद अनुभूत सत्यों के आत्म साक्षात्कार का दर्शन

पत्रिका लाइव रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सरदारशहर. उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मानित विश्वविद्यालय, गांधी विद्या मंदिर के हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित छायावाद एक पुनर्मूल्यांकन विषयक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसको संबोधित करते हुए डा.देवेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि भाषा और साहित्य के साथ निरन्तर नैतिकता के प्रश्न जुड़े रहते हैं। छायावाद इन नैतिक बंधनों को संवेदनात्मक स्तर पर ग्राह्य बनाता है। यह अनुभूत सत्यों के आत्मसाक्षात्कार का दर्शन है। वाराणसी के वरिष्ठ साहित्यकार डा.देवेन्द्र कुमार सिंह ने कार्यक्रम में [illegible] के रूप में छायावाद के रचनाकारों के जीवन व व्यक्तित्व से संबंधित विविध प्रसंग व संस्मरण साझा करते हुए बताया कि छायावादी कविता हिमालय शिखरों का वर्णन करती हुई भारत के गौरव की ओर उन्मुख करती है। यह मौन का विस्तार करती है, जो जप की सर्वोत्तम स्थिति है। यह आनंदवाद और विजयनी मानवता में अपना पर्यवसान करती है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय विद्याविहार मुबंई के हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डा.गीता दूबे ने छायावाद की प्रवृत्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस युग के समृद्ध रचनाकारों ने इसे वायवी कल्पना मात्र से मधुरिम कल्पना, रहस्यवाद और शैली विशेष की व्यापकता दी है। मोती में जैसे तरल सौन्दर्य विद्यमान है, वैसे ही छायावादी कविता में राष्ट्रप्रेम, प्रकृति सौन्दर्य चित्रण, पर्यावरण संरक्षण, मानवतावाद, नारी गरिमा की स्थापना, नाद सौन्दर्य, ध्वन्यात्मकता जैसी भावगत विशेषताओं, भाषिक व शिल्पगत विशेषताओं के कारण शिष्ट सौन्दर्य की सृष्टि करता है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की पूनम संजू ने कहा कि छायावादी काव्य आत्माभिव्यक्ति की बात करता है, जो व्यक्ति मात्र की संवेदना का लेखा है। वेबिनार के प्रारंभ में हिन्दी विभागाध्यक्ष डा.कल्पना मौर्य ने छायावादी काव्य के युगदर्शन का परिचय देते हुए अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यक्रम में बानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा.अविनाश पारीक, शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो.मनीषा वर्मा, डा.कंचन शर्मा, डा.ममता, डा.रेणुका, डा.सतीश कुमार ओझा, डा.शैयरी चौधरी, डा.अनीता गुप्ता, डा.सुरेश कुमार अग्रवाल, डा.अवध कुमारी सिंह, डा.संजीव कुमार विश्वकर्मा, डा.गिरधरलाल शर्मा, डा.जितेन्द्र वशिष्ट, डा.रामचन्द्र स्वामी आदि सम्मिलित हुए। हिन्दी विभाग की सहआचार्य डा.विदुषी आमेटा ने संचालन करते हुए छायावादी कवियों के आध्यात्मिक दर्शन पर चर्चा की।

सरदारशहर. हिंदी विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में भाग लेते प्रतिभागी व वक्ता।

POCO
SHOT ON POCO M2 PRO